फलों के पौधे देना

१०७४. श्री पद्म देव : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने लोगों को सेब, नाशपाती, आड़, प्लम, चरलीमम, अखरोट, चिलगोजा, बादाम, पिस्ता, अनार, अंगूर और चेस्टनट के कितने पेड़ दिये, और

(ख) उनकी बिक्री से कितनी आय हुई ?

खाद्य और कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) (क) और (ख) चालू वर्ष (१९५८-५९) में १,०६,४४६ पौधे निम्नलिखित संख्या में बांटे जा रहे हैं —

(१)	सेब	२२,४७२
(२)	नाशपाती	२,०५६
(३)	आड़	६,६७५
(४)	प्लम	१७,४४८
(५)	बादाम	१६,९७६
(६)	अखरोट	७,९५९
(७)	अनार	१,००४
(८)	काजू	२,१००
(९)	पिस्ता	४३
(१०)	अन्य पौधे	२९ ७१३

यह वितरण अनेक एजेन्सियां जैसे ब्लाक विकास अफसरों, कृषि विभाग के उद्यान अनुभाग इत्यादि के द्वारा किया जा रहा है और यह मार्च, १९५९ के अन्त तक जारी रहेगा। अभी तक वास्तव में बांटे गये पौधों की ठीक संख्या और उनकी बिक्री से प्राप्त हुई आय के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

हिमाचल प्रदेश में बागीचों का विकास

१०७५. श्री पद्म देव क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बागीचों के विकास के लिये हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने १९५८ में कितना ऋण दिया ?

खाद्य और कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन): नये फल के बागीचों को लगाने के लिये पहली जनवरी से ३१ दिसम्बर, १९५८ तक फल उगाने वालों को ऋण के रूप में १,४८,४७५ रुपये बांटे गये।

हिमाचल प्रदेश के काश्तकार

१०७६. श्री पद्म देव क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) हिमाचल प्रदेश में १९५६ से दिसम्बर, १९५८ तक की अवधि में कितने बेदखल किये गये काश्तकारों को उनकी जमीनें वापिस की गई और

(ख) उक्त अवधि में जमीनें वापिस करने के सम्बन्ध में कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए और उनमें से कितने स्वीकृत हुए ?

खाद्य और कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) (क) ४४।

(ख) अपनी जमीनों की वापसी के लिये बेदखल किये गये किसानों से १५० प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उनमें से ४४ प्रार्थना पत्र स्वीकार किये गये।

हिमाचल प्रदेश में सहकारी बिक्री समितियां

१०७७ श्री पद्म देव क्या सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) हिमाचल प्रदेश में कितनी सहकारी बिक्री समितियां हैं,

(ख) इन समितियों ने १९५८ में कितना कार्य किया,